



## MP में नई शिक्षा नीति लागू करने की तैयारी, शिक्षा विभाग ने तैयार किया प्रस्ताव



भोपाल। मध्यप्रदेश में नई शिक्षा नीति को लागू करने की तैयारी पूरी हो गई है। शिक्षा विभाग ने इसका प्रस्ताव तैयार कर लिया है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत अब 6 साल से कम उम्र के बच्चों को कक्षा पहली में एडमिशन नहीं मिलेगा।

### पहली में प्रवेश की न्यूनतम आय 6 साल

नई शिक्षा नीति लागू होने से भोपाल के करीब 1500 सैबीएससी स्कूलों के लगभग 9 हजार बच्चों को पहली कक्षा में एडमिशन नहीं मिल पाएगा। क्योंकि इनकी उम्र 6 वर्ष से कम है। नई शिक्षा नीति के तहत अब पहली कक्षा में प्रवेश की न्यूनतम उम्र 6 साल तक की गई है।

अब यूकेजी में पढ़ रहे बच्चों को दुबारा फिर से पिछली ही कक्षा में भेजना होगा। यह बदलाव इसलिए भी किया जा रहा क्योंकि अब तक 5 साल की उम्र में स्कूल में प्रवेश की

शुरू होने के कारण 17 साल की उम्र में बच्चे कक्षा 12वीं की परीक्षा दे रहे हैं। नई शिक्षा नीति के तहत अब 6 साल से कम उम्र के बच्चों को कक्षा पहली में एडमिशन नहीं मिलेगा।

पहले क्या थे शिक्षा के प्राधान्य पहले शिक्षा के अधिकार के तहत केवल 6 से 14 साल के बच्चों के लिए अनिवार्य शिक्षा महत्वपूर्ण थी। लेकिन अब यह 3 से 18 साल के बच्चों के लिए मान्य होगा। पहली की शिक्षा की नीति में हमें साफ एक ही कलेज से करना होता था, लेकिन अब नई शिक्षा नीति के तहत हम प्रेग्युलर के दौरान अपना कलेज भी बदल भी सकते हैं। नई शिक्षा नीति में अनिवार्य परीक्षा की सुविधा प्रदान होगी जबकि पहले यह सुविधा प्रुपरी शिक्षा नीति में शामिल नहीं थी।

## सदैव शांति और अतीव आनंद की अवस्था योग- विज्ञान से सुलभ

भोपाल (विमके) पिछले वर्ष पूर्व जाने-माने मानस अनुसंधानकर्ता टिम वाइटफोल्ड की एक रिपोर्ट मीडिया की सुविख्या बनी थी। उनका कहना है कि योजना बनाना और अलग-अलग प्रकार के टास्क के बीच काम करते हुए लक्ष्य को प्राप्त करने की योग्यता का नाम है 'एग्जीक्यूटिव फंक्शन'। ऐसा माना जाता है कि उम्र के साथ ये क्षमता कम होती जाती है, लेकिन अध्ययन ये बताते हैं कि योग-ध्यान आदि मानस उन्नति की क्रियाओं के चल पर इस क्षमता को बहुत हद तक क्षीण होने से रोका जा सकता है।

निरंतर होने वाले ऐसे अनुसंधान से निश्चित रूप से योग पर भारीसा बढता है। लेकिन साथ ही ये भी सत्य है कि दुनिया के लिए पहले ही थे अभिभव बात हो, पर भारत के लिये ये मात्र नए प्रकार से पुनर्संरूपण से अधिक नहीं। जिनमें योग का अध्ययन किया है, उसको स्वयं अनुभूत किया है उन्होंने अपने-अपनी तरह से उसकी पहलें से ही व्याख्या कर रखी है। विहार स्कूल ऑफ योग, गुंगौर, के



श्री निरंजनानंद सरस्वती कहते हैं '- योग से आरोग्य और प्रीतिभा का विकास दोनों ही संभव है'। वहीं दूसरी और जिनके मन में योग के अध्यात्मिक पक्ष को लेकर जो कुछ शकयें हैं, उन शकयों को निरूल करते हुए देश योग के सद्गुरु जगदी वासुदेव कहते हैं- 'योगी सुख-योग के विषय नहीं होते। वस्तुतः बात केवल ये है कि वे अल्प-सुख की स्थिति पर ही संतोष कर लेना नहीं चाहते। सदैव शांति बने रहना, अतीव आनंद की

अवस्था में स्थिर रहना हर मनुष्य के लिए उल्लस्य है। योग का विज्ञान आपको ये अवस्था प्रदान करता है'। यह कारण है कि भारतीय मूल चेतना के धर्मों में योग का इतना महत्व देखने को मिलता है। हिन्दू धर्म में पतंजलि का नाम एक ऐसे योगी के रूप में अंकित है जिन्होंने योग को सूत्रबद्ध किया। अष्टांग योग को प्रतिपादित करते हुए वे कहते हैं कि ये 'चित्तवृत्ति निरोधः', 'कर्म में कुशलः', 'जीवन में समत्वः', और 'मन के प्रसंगम'

का सर्वोत्तम उपाय है। वहीं जैन धर्म में ऋषभदेव को प्रथम योगी के रूप में पूजा जाता है। 24 वे तीर्थंकर महावीर स्वामी तक चितने भी तीर्थंकर हुए हैं उनकी प्रतिमाएं या तो 'प्रज्ञासन' में या 'खडगासन' में पायी जाती हैं। नासिका के अग्र-भाग पर दृष्टि केन्द्रित करने वाली ध्यान स्थिति 'नासायुट' जैन धर्म में योग मुद्रा की एक प्रमुख विशेषता है। वैश्वे शौ 'कायोस्त्व' योग (काया या शरीर का स्वेच्छा से उत्सर्ग या

समाप्त कर देना) इसके धार्मिक आचार की प्रमुख विधा है। इसके एक आचार्य जिनका नाम शुभचंद्र है, उन्होंने 'ज्ञानार्णव' नामक ग्रन्थ में आत्म-प्रणामात्मकता को सभी विधियों की सूक्ष्म विवेचना की है। वहीं 'प्रेक्षाध्यान' नामक जीवन विज्ञान पर आधारित एक अनूठी ध्यान पद्धति के प्रतिपादक भी जैन मुद्रा आचार्य महाप्रज्ञ हैं। फिर जहां 'नमः सिधेयः' जैन धर्म का बीज मंत्र है, तो '१?' (एक ओंकार) सिद्ध धर्म का एक नानक देव ने 'हठयोग' के ध्यान पर 'सहज योग' पर बल दिया।

गुरु ग्रन्थ साहिब में 'इड़ा', 'पिला' तथा 'सुयाना' जैसे योग में प्रयुक्त होने वाले शब्दों का उल्लेख मिलता है। शिखोंग कहते हैं कि जब सास अंदर जाती है तब सेनाड के हजारों हिस्से के लिए रुकती है, बाहर से अंदर आने के पहले फिर एक बार रुकती है। ये जो रुकने का अंतराल है, उसके प्रति सजग हो जाओ तो धीरे-धीरे अपने अस्तित्व तक पहुँच जाओगे। महात्मा बुद्ध ने इस विधि का प्रयोग

किया। बोद्ध-दर्शन में यह विधि 'विपरयना' नाम से प्रचलित है। वैश्वे जो बात सैकड़ों वर्षों पूर्व हमारे धर्मों में बता दी गई थी, उसी बात की पुष्टि अब आधुनिक एलोगोपिक तथा ध्यान की सभी विधियों की सूक्ष्म विवेचना की है। वहीं 'प्रेक्षाध्यान' नामक जीवन विज्ञान पर आधारित एक अनूठी ध्यान पद्धति के प्रतिपादक भी जैन मुद्रा आचार्य महाप्रज्ञ हैं। फिर जहां 'नमः सिधेयः' जैन धर्म का बीज मंत्र है, तो '१?' (एक ओंकार) सिद्ध धर्म का एक नानक देव ने 'हठयोग' के ध्यान पर 'सहज योग' पर बल दिया।

## आदिवासी परंपरा से होगा PM मोदी का स्वागत, जमीन पर बैठ खाएंगे देसी कोदो भात और कुटकी खीर

नरेंद्र मोदी 27 जून को मध्य प्रदेश दौर पर आ रहे हैं। इस दौरान उनका आदिवासी परंपरा के साथ स्वागत किया जाएगा। साथ ही वह देसी स्ट्राइल में जमीन पर बैठकर कोदो भात और कुटकी खीर खाएंगे। शाहदोल। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले 27 जून को होने वाला एक नरेंद्र मोदी का शहदोल दौरा काकी अहम माना जा रहा है। इसके अलावा ऐसा पहली बार होने वाला है, जब देसी का कोई प्रशासकीय देसी अंदाज में जनजातीय समुदाय के साथ जमीन पर बैठकर भोजन ग्रहण करेगा।



भारतीय परंपरा के अनुसार तैयार की जा रही है। इससे पहले साल 2018 में भी एकमोदी लालपुर मैदान पर जन्मस्था को संबोधित करते आए थे। एकमोदी लालपुर मैदान पर जन्मस्था को संबोधित करते आए थे। एकमोदी लालपुर मैदान पर जन्मस्था को संबोधित करते आए थे।

भारतीय परंपरा के अनुसार तैयार की जा रही है। इससे पहले साल 2018 में भी एकमोदी लालपुर मैदान पर जन्मस्था को संबोधित करते आए थे। एकमोदी लालपुर मैदान पर जन्मस्था को संबोधित करते आए थे। एकमोदी लालपुर मैदान पर जन्मस्था को संबोधित करते आए थे।

भारतीय परंपरा के अनुसार तैयार की जा रही है। इससे पहले साल 2018 में भी एकमोदी लालपुर मैदान पर जन्मस्था को संबोधित करते आए थे। एकमोदी लालपुर मैदान पर जन्मस्था को संबोधित करते आए थे। एकमोदी लालपुर मैदान पर जन्मस्था को संबोधित करते आए थे।

भारतीय परंपरा के अनुसार तैयार की जा रही है। इससे पहले साल 2018 में भी एकमोदी लालपुर मैदान पर जन्मस्था को संबोधित करते आए थे। एकमोदी लालपुर मैदान पर जन्मस्था को संबोधित करते आए थे। एकमोदी लालपुर मैदान पर जन्मस्था को संबोधित करते आए थे।

## मांगलिक आयोजन में फिजूलखर्ची रोकने के लिए जन जगरण अभियान चलाएगी पंचायत, बोर्ड का गठन जल्द

सामाजिक कार्य के लिए समय देने वालों को फैसला बोर्ड में शामिल किया जाएगा।



हिरदाराम नगर। पूजा सिंघी पंचायत में सामाजिक सुधारों को बढ़ावा देने के लिए फैसला बोर्ड के माध्यम से जन जगरण अभियान चलाने का निर्णय लिया है। जल्द ही नए फैसला बोर्ड का गठन किया जाएगा। इसमें उन्हीं सदस्यों को शामिल किया जाएगा जो सामाजिक काम के लिए समय देने का वचन देंगे। पदाधिकारियों की पहली ही बैठक

हिरदाराम नगर। पूजा सिंघी पंचायत में सामाजिक सुधारों को बढ़ावा देने के लिए फैसला बोर्ड के माध्यम से जन जगरण अभियान चलाने का निर्णय लिया है। जल्द ही नए फैसला बोर्ड का गठन किया जाएगा। इसमें उन्हीं सदस्यों को शामिल किया जाएगा जो सामाजिक काम के लिए समय देने का वचन देंगे। पदाधिकारियों की पहली ही बैठक

हिरदाराम नगर। पूजा सिंघी पंचायत में सामाजिक सुधारों को बढ़ावा देने के लिए फैसला बोर्ड के माध्यम से जन जगरण अभियान चलाने का निर्णय लिया है। जल्द ही नए फैसला बोर्ड का गठन किया जाएगा। इसमें उन्हीं सदस्यों को शामिल किया जाएगा जो सामाजिक काम के लिए समय देने का वचन देंगे। पदाधिकारियों की पहली ही बैठक

## मध्य प्रदेश में 12 लाख और बढ़ेगी लाइली बहना, आयु सीमा 23 से घटाकर 21 वर्ष होगी

भोपाल। महिला सराफाकारियों के लिए शिवांग सरकारी द्वारा जारी किए जाने वाले लाइली बहना योजना को विस्तार दिया जाएगा। इसमें आयु सीमा अब 23 वर्ष के स्थान पर 21 वर्ष होगी। इससे लगभग 12 लाख लाइली बहना और बढ़ जाएगी। इसके साथ ही ऐसे परिवार भी योजना के दायरे में आएंगे, जिनके पास ट्रेक्टर है। इसके लिए महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मुद्यमंत्र की घोषणा के अनुसार योजना के निशाम में संशोधन किया जाएगा। इसके लिए जल्द ही कैबिनेट में प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाएगा। प्रदेश

भोपाल। महिला सराफाकारियों के लिए शिवांग सरकारी द्वारा जारी किए जाने वाले लाइली बहना योजना को विस्तार दिया जाएगा। इसमें आयु सीमा अब 23 वर्ष के स्थान पर 21 वर्ष होगी। इससे लगभग 12 लाख लाइली बहना और बढ़ जाएगी। इसके साथ ही ऐसे परिवार भी योजना के दायरे में आएंगे, जिनके पास ट्रेक्टर है। इसके लिए महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मुद्यमंत्र की घोषणा के अनुसार योजना के निशाम में संशोधन किया जाएगा। इसके लिए जल्द ही कैबिनेट में प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाएगा। प्रदेश

भोपाल। महिला सराफाकारियों के लिए शिवांग सरकारी द्वारा जारी किए जाने वाले लाइली बहना योजना को विस्तार दिया जाएगा। इसमें आयु सीमा अब 23 वर्ष के स्थान पर 21 वर्ष होगी। इससे लगभग 12 लाख लाइली बहना और बढ़ जाएगी। इसके साथ ही ऐसे परिवार भी योजना के दायरे में आएंगे, जिनके पास ट्रेक्टर है। इसके लिए महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मुद्यमंत्र की घोषणा के अनुसार योजना के निशाम में संशोधन किया जाएगा। इसके लिए जल्द ही कैबिनेट में प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाएगा। प्रदेश

## 21000 का इनामी बंदर पिंजरे में कैद, स्पेशल टीम ने ड्रोन से सी रॉकिंग, ट्रेकुलाइज काके पकड़ा

राजगढ़। राजगढ़ में 21 हजार रुपए के इनामी बंदर को आसिस्कार पिंजरे में कैद कर लिया गया। जीते 16 दिन में उसने 20 से ज्यादा लोगों को चूका बनाया। इनमें से 8 बच्चे हैं। यह उचाई से आचाक नीचे आकर लोगों पर हमला करता और मांस नोचकर ले जाता था। इस दौरान एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया, जिसमें बंदर एक बालुआ में हलका करके हुए दिखा रहा है। वन विभाग की टीम और नगर विभाग का अमला उसे पकड़ने में जुटे थे। बुधवार शाम को उज्जैन से आई स्पेशल टीम ने ड्रोन की मदद से उसे खोज निकाला। टीम ने बंदर को ट्रेकुलाइज किया और जाल से पकड़कर पिंजरे में कैद कर लिया।



राजगढ़। राजगढ़ में 21 हजार रुपए के इनामी बंदर को आसिस्कार पिंजरे में कैद कर लिया गया। जीते 16 दिन में उसने 20 से ज्यादा लोगों को चूका बनाया। इनमें से 8 बच्चे हैं। यह उचाई से आचाक नीचे आकर लोगों पर हमला करता और मांस नोचकर ले जाता था। इस दौरान एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया, जिसमें बंदर एक बालुआ में हलका करके हुए दिखा रहा है। वन विभाग की टीम और नगर विभाग का अमला उसे पकड़ने में जुटे थे। बुधवार शाम को उज्जैन से आई स्पेशल टीम ने ड्रोन की मदद से उसे खोज निकाला। टीम ने बंदर को ट्रेकुलाइज किया और जाल से पकड़कर पिंजरे में कैद कर लिया।

राजगढ़। राजगढ़ में 21 हजार रुपए के इनामी बंदर को आसिस्कार पिंजरे में कैद कर लिया गया। जीते 16 दिन में उसने 20 से ज्यादा लोगों को चूका बनाया। इनमें से 8 बच्चे हैं। यह उचाई से आचाक नीचे आकर लोगों पर हमला करता और मांस नोचकर ले जाता था। इस दौरान एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया, जिसमें बंदर एक बालुआ में हलका करके हुए दिखा रहा है। वन विभाग की टीम और नगर विभाग का अमला उसे पकड़ने में जुटे थे। बुधवार शाम को उज्जैन से आई स्पेशल टीम ने ड्रोन की मदद से उसे खोज निकाला। टीम ने बंदर को ट्रेकुलाइज किया और जाल से पकड़कर पिंजरे में कैद कर लिया।

राजगढ़। राजगढ़ में 21 हजार रुपए के इनामी बंदर को आसिस्कार पिंजरे में कैद कर लिया गया। जीते 16 दिन में उसने 20 से ज्यादा लोगों को चूका बनाया। इनमें से 8 बच्चे हैं। यह उचाई से आचाक नीचे आकर लोगों पर हमला करता और मांस नोचकर ले जाता था। इस दौरान एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया, जिसमें बंदर एक बालुआ में हलका करके हुए दिखा रहा है। वन विभाग की टीम और नगर विभाग का अमला उसे पकड़ने में जुटे थे। बुधवार शाम को उज्जैन से आई स्पेशल टीम ने ड्रोन की मदद से उसे खोज निकाला। टीम ने बंदर को ट्रेकुलाइज किया और जाल से पकड़कर पिंजरे में कैद कर लिया।

राजगढ़। राजगढ़ में 21 हजार रुपए के इनामी बंदर को आसिस्कार पिंजरे में कैद कर लिया गया। जीते 16 दिन में उसने 20 से ज्यादा लोगों को चूका बनाया। इनमें से 8 बच्चे हैं। यह उचाई से आचाक नीचे आकर लोगों पर हमला करता और मांस नोचकर ले जाता था। इस दौरान एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया, जिसमें बंदर एक बालुआ में हलका करके हुए दिखा रहा है। वन विभाग की टीम और नगर विभाग का अमला उसे पकड़ने में जुटे थे। बुधवार शाम को उज्जैन से आई स्पेशल टीम ने ड्रोन की मदद से उसे खोज निकाला। टीम ने बंदर को ट्रेकुलाइज किया और जाल से पकड़कर पिंजरे में कैद कर लिया।

## टीकमगढ़ और निवाड़ी में भारी बारिश से नाले उफनाए-पूर्व मंत्री के बंगले में घुसा पानी, बाइक बही; टीकमगढ़-झांसी हाईवे डूबा

भोपाल। टीकमगढ़ और निवाड़ी जिले में भारी बारिश से हालात बिगड़ गए हैं। रातभर से रुक-रुक कर हो रही बारिश के कारण छोटी नदियां और नाले उफना गए। जेसरा गांव में नाला उफानने से टीकमगढ़-झांसी हाईवे डूब गया। पृथ्वीपुर (निवाड़ी) में पूर्व मंत्री स्वामी बृजेश सिंह शहर के बंगले में पानी घुस गया। निवाड़ी और झांसी बॉर्डर के उदौरा गांव में कई घरों में बारिश का पानी भर गया। निवाड़ी के बीना गांव में दो से तीन मकानों के गिरने की खबर है। कई घरों में पानी भर गया। आज 5वीं और 8वीं कक्षा में फेल हो गए बच्चों का दोबाव एकाज था। कई बच्चे एजाज सेंटर तक नहीं पहुंच पाए। पुनरावृत्त नाला पार करते समय बाइक बही। बाइक सुविधा है। दहरीली का रहने वाला पवन

भोपाल। टीकमगढ़ और निवाड़ी जिले में भारी बारिश से हालात बिगड़ गए हैं। रातभर से रुक-रुक कर हो रही बारिश के कारण छोटी नदियां और नाले उफना गए। जेसरा गांव में नाला उफानने से टीकमगढ़-झांसी हाईवे डूब गया। पृथ्वीपुर (निवाड़ी) में पूर्व मंत्री स्वामी बृजेश सिंह शहर के बंगले में पानी घुस गया। निवाड़ी और झांसी बॉर्डर के उदौरा गांव में कई घरों में बारिश का पानी भर गया। निवाड़ी के बीना गांव में दो से तीन मकानों के गिरने की खबर है। कई घरों में पानी भर गया। आज 5वीं और 8वीं कक्षा में फेल हो गए बच्चों का दोबाव एकाज था। कई बच्चे एजाज सेंटर तक नहीं पहुंच पाए। पुनरावृत्त नाला पार करते समय बाइक बही। बाइक सुविधा है। दहरीली का रहने वाला पवन



भोपाल। टीकमगढ़ और निवाड़ी जिले में भारी बारिश से हालात बिगड़ गए हैं। रातभर से रुक-रुक कर हो रही बारिश के कारण छोटी नदियां और नाले उफना गए। जेसरा गांव में नाला उफानने से टीकमगढ़-झांसी हाईवे डूब गया। पृथ्वीपुर (निवाड़ी) में पूर्व मंत्री स्वामी बृजेश सिंह शहर के बंगले में पानी घुस गया। निवाड़ी और झांसी बॉर्डर के उदौरा गांव में कई घरों में बारिश का पानी भर गया। निवाड़ी के बीना गांव में दो से तीन मकानों के गिरने की खबर है। कई घरों में पानी भर गया। आज 5वीं और 8वीं कक्षा में फेल हो गए बच्चों का दोबाव एकाज था। कई बच्चे एजाज सेंटर तक नहीं पहुंच पाए। पुनरावृत्त नाला पार करते समय बाइक बही। बाइक सुविधा है। दहरीली का रहने वाला पवन

## सतना, दमोह, रायसेन, सिवनी समेत 9 जिलों में बारिश, पारा लुब्धक

सतना, दमोह, रायसेन, सिवनी समेत 9 जिलों में बारिश, पारा लुब्धक। इससे पहले बुधवार को प्रदेश में मौसम का मिजाज बदल सा रहा। शाम तक सतना में करीब आधा इंच बारिश हुई। वहीं, दमोह, रायसेन, सिवनी, आगर, शाजापुर, नर्मदापुर और सागर में भी बारिश का दौर चला। भोपाल में शाम को कुछ इलाकों में बृदंबादी हुई। वहीं बादल भी छाए रहे। इधर, बारिश और बादल छाने की वजह से माहौल में ठंडक पड़ गई। भोपाल, दमोह, नवापुर और जयलपुर में तापमान 40 डिग्री से कम हो रहा। सीधी में तापमान सबसे ज्यादा 41.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, शिवपुरी सबसे ठंडा रहा। यहां तापमान 28.2 डिग्री पर था।

सतना, दमोह, रायसेन, सिवनी समेत 9 जिलों में बारिश, पारा लुब्धक। इससे पहले बुधवार को प्रदेश में मौसम का मिजाज बदल सा रहा। शाम तक सतना में करीब आधा इंच बारिश हुई। वहीं, दमोह, रायसेन, सिवनी, आगर, शाजापुर, नर्मदापुर और सागर में भी बारिश का दौर चला। भोपाल में शाम को कुछ इलाकों में बृदंबादी हुई। वहीं बादल भी छाए रहे। इधर, बारिश और बादल छाने की वजह से माहौल में ठंडक पड़ गई। भोपाल, दमोह, नवापुर और जयलपुर में तापमान 40 डिग्री से कम हो रहा। सीधी में तापमान सबसे ज्यादा 41.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, शिवपुरी सबसे ठंडा रहा। यहां तापमान 28.2 डिग्री पर था।

सतना, दमोह, रायसेन, सिवनी समेत 9 जिलों में बारिश, पारा लुब्धक। इससे पहले बुधवार को प्रदेश में मौसम का मिजाज बदल सा रहा। शाम तक सतना में करीब आधा इंच बारिश हुई। वहीं, दमोह, रायसेन, सिवनी, आगर, शाजापुर, नर्मदापुर और सागर में भी बारिश का दौर चला। भोपाल में शाम को कुछ इलाकों में बृदंबादी हुई। वहीं बादल भी छाए रहे। इधर, बारिश और बादल छाने की वजह से माहौल में ठंडक पड़ गई। भोपाल, दमोह, नवापुर और जयलपुर में तापमान 40 डिग्री से कम हो रहा। सीधी में तापमान सबसे ज्यादा 41.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, शिवपुरी सबसे ठंडा रहा। यहां तापमान 28.2 डिग्री पर था।

सतना, दमोह, रायसेन, सिवनी समेत 9 जिलों में बारिश, पारा लुब्धक। इससे पहले बुधवार को प्रदेश में मौसम का मिजाज बदल सा रहा। शाम तक सतना में करीब आधा इंच बारिश हुई। वहीं, दमोह, रायसेन, सिवनी, आगर, शाजापुर, नर्मदापुर और सागर में भी बारिश का दौर चला। भोपाल में शाम को कुछ इलाकों में बृदंबादी हुई। वहीं बादल भी छाए रहे। इधर, बारिश और बादल छाने की वजह से माहौल में ठंडक पड़ गई। भोपाल, दमोह, नवापुर और जयलपुर में तापमान 40 डिग्री से कम हो रहा। सीधी में तापमान सबसे ज्यादा 41.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, शिवपुरी सबसे ठंडा रहा। यहां तापमान 28.2 डिग्री पर था।

सतना, दमोह, रायसेन, सिवनी समेत 9 जिलों में बारिश, पारा लुब्धक। इससे पहले बुधवार को प्रदेश में मौसम का मिजाज बदल सा रहा। शाम तक सतना में करीब आधा इंच बारिश हुई। वहीं, दमोह, रायसेन, सिवनी, आगर, शाजापुर, नर्मदापुर और सागर में भी बारिश का दौर चला। भोपाल में शाम को कुछ इलाकों में बृदंबादी हुई। वहीं बादल भी छाए रहे। इधर, बारिश और बादल छाने की वजह से माहौल में ठंडक पड़ गई। भोपाल, दमोह, नवापुर और जयलपुर में तापमान 40 डिग्री से कम हो रहा। सीधी में तापमान सबसे ज्यादा 41.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, शिवपुरी सबसे ठंडा रहा। यहां तापमान 28.2 डिग्री पर था।



